समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

जापान मे बंद होगा मारुति सुजुकी स्विफ्ट का प्रोडक्शन, क्या चीन की REEs एक्सपोर्ट पॉलिसी है जिम्मेदार ?

Publisher Published on 06 Jun 2025

भारत मे बंनी स्विफ्ट पर नहीं पड़ेगा कोई असर, चीन के फैसले से वैश्विक ऑटो इंडस्ट्री मे हंलचल।

नई दिल्ली : जापान में **मारुति सुजुकी स्विफ्ट (Maruti Suzuki Swift)** का प्रोडक्शन जल्द ही बंद होने जा रहा है। साल 2026 के मई से जापान में इस लोकप्रिय हैचबैक कार का निर्माण बंद किया जाएगा।

इस फैसले के पीछे मुख्य वजह **चीन द्वारा 7 रेयर अर्थ एलिमेंट्स (REEs)** के निर्यात पर लगाया गया प्रतिबंध माना जा रहा है। इससे न केवल **जापानी ऑटोमोबाइल सेक्टर,** बल्कि पूरी **वैश्विक सप्लाई** चेन में हलचल मच गई है।

कौन-कौन से REEs के निर्यात पर लगी है रोक ?

१. **चीन ने सैमेरियम, गैडोलीनियम, टेरबियम, डिस्प्रोसियम, ल्यूटेटियम, स्कैंडियम और यिट्रियम जैसे 7 रेयर अर्थ एलिमेंट्स** के एक्सपोर्ट पर रोक लगा दी है।
२. **ऑटोमोबाइल, डिफेंस और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री मे इंन तत्वों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है**।
३. **इनकी सप्लाई बाधित होने से उत्पादन लागत और सप्लाई चेन प्रबंधन दोनों पर असर पड़ सकता है**।

भारत मे बंनी स्विफ्ट को कोई खतरा नहीं

मारुति सुजुकी इंडिया ने साफ कर दिया है कि भारत में बनी **स्विफ्ट के प्रोडक्शन** पर इसका कोई असर नहीं होगा।
१. कंपनी के प्रवक्ता ने बयान दिया, “**जापान मे प्रोडक्शन बंद होने की खबर है, भारत मे नंहीं**।”

२. इससे पहले कंपनी के **सीनियर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (कॉरपोरेट अफेयर्स) राहुल भारती** भी कह चुके हैं कि चीन के इस फैसले का भारत में असर नगण्य रहेगा।

भारत के पास REEs का पर्याप्त भंडार

१. रिपोर्ट्स के मुताबिक, **भारत के पास पर्याप्त मात्रा मे REEs के भंडार मौजूद है**।

२. हालांकि, **भारत मे इंनका प्रोसेसिंग और एक्सट्रैक्शन टेक्नोलॉजी** अभी पूरी तरह विकसित नहीं है, इसलिए आयात पर निर्भरता बनी हुई है।

३. भविष्य में **चीन के इस कदम के चलते भारत और जापान** जैसे देश आपसी सहयोग बढ़ा सकते हैं।

चीन है 90% REEs का ग्लोबल सप्लायर

१. दुनिया भर में **90% से अधिक REEs** की सप्लाई चीन से होती है।

२. निक्केई बिजनेस डेली के मुताबिक, चीन के इस फैसले के बाद **जापान, अमेरिका** के साथ मिलकर नई सप्लाई स्ट्रेटेजी पर काम करने की योजना बना रहा है।

३. इसका मकसद चीन पर निर्भरता को कम करना और अपने **क्रिटिकल मिनरल्स** तक सीधी पहुंच सुनिश्चित करना है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.